# चोरी की जांच के लिए पुलिस तांत्रिक की शरण में पहुंची, हाईकोर्ट ने फटकार लगाई

## हाईकोर्ट ने पुलिस को फटकार लगाते हुए कहा कि आपराधिक मामले की जांच किसी तांत्रिक के बताए गए इशारों पर नहीं चल सकती

- आदेश की प्रति मिलने के 15 दिन के भीतर जांच श्रीबालाजी थाने से हटाकर किसी अन्य थाने के सब-इंस्पेक्टर या उससे ऊंची रैंक के अधिकारी को सौंपी जाए - हाईकोर्ट

**जोधपुर,** (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर मुख्यपीठ ने नागौर जिले के श्रीबालाजी थाने से जुड़े गहने चोरी के मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने पुलिस को फटकार लगाते हुए कहा कि आपराधिक मामले की जांच किसी तांत्रिक के बताए गए इशारों पर नहीं चल सकती। जस्टिस मुन्नुरी लक्ष्मण की सिंगल बेंच ने याचिकाकर्ता खेमी देवी (80) की याचिका पर गुरुवार को सुनवाई करते हुए नागौर एसपी को जांच अधिकारी बदलने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि आदेश की प्रति मिलने के 15 दिन के भीतर जांच श्रीबालाजी थाने से हटाकर किसी अन्य थाने के सब-इंस्पेक्टर या उससे ऊंची रैंक के अधिकारी को सौंपी जाए।

जानकारी के अनुसार जांच अधिकारी पर इन्वेस्टिगेशन के लिए तांत्रिक की मदद लेने का आरोप है। नागौर जिले के श्रीबालाजी नगर स्थित उटवालिया निवासी खेमी देवी पत्नी भेराराम ने श्रीबालाजी थाने में 8 मार्च 2026 को एफ आई आर दर्ज करवाई थी। इस रिपोर्ट में बताया था कि 7 मार्च की रात को घर से उनके और उनकी बहू के सोने-चांदी के गहने चोरी हो गए। इनमें डेढ़ तोला सोना, 300 तोला चांदी और 24 हजार कैश सहित करीब 12 लाख से ज्यादा कीमत का माल चोरी हुआ था। एफ आई आर दर्ज होने के बाद याचिकाकर्ता ने जांच अधिकारी हैड कॉन्स्टेबल रतिराम को चोरी में शामिल कुछ संदिग्ध लोगों के नाम भी दिए थे, लेकिन पुलिस न तो आरोपियों को ट्रेस कर पाई और न ही चोरी हुए जेवर बरामद कर सकी। इसके बाद खेमी देवी की ओर से 8 मई को हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई। जांच अधिकारी पर आरोप है कि उसने इन्वेस्टिगेशन को तांत्रिक के इशारे पर आगे बढ़ाया।

याचिकाकर्ता के वकील मनोहर सिंह राठौड़ ने कोर्ट को बताया कि जांच अधिकारी रतिराम ने सबूत जुटाने की बजाय अंधविश्वास का सहारा लिया। आरोप है कि जांच अधिकारी चोरी का सुराग लगाने के लिए याचिकाकर्ता की बहू के पिता और गांव के कुछ अन्य बुजुर्गों को अलवर जिले में रहने वाले एक तांत्रिक के पास ले गया। वकील ने बताया कि तांत्रिक ने इशारा किया कि चोरी में खुद बहू का पिता ही शामिल है। तांत्रिक के इशारे के बाद पुलिस ने बिना कोई सबूत जुटाए बहू के पिता को ही संदिग्ध मान लिया। उसी आधार पर जांच को आगे बढ़ाया और बहू के पिता को फंसाने की कोशिश करने लगी।

दूसरी ओर, राज्य सरकार की ओर से लोक अभियोजक विक्रम सिंह राजपुरोहित ने नागौर एसपी से मिली स्टेटस रिपोर्ट कोर्ट में पेश की। उन्होंने बचाव करते हुए कहा कि जांच अधिकारी ने सभी संदिग्धों से पूछताछ की है और कई जगहों पर गया है। स्टेटस रिपोर्ट के हवाले से उन्होंने स्वीकार किया कि जांच अधिकारी अलवर जिले में उस जगह भी गया था, जहां तांत्रिक रहता है। हालांकि उन्होंने इस बात से इनकार किया कि अधिकारी ग्रामीणों को अपने साथ वहां ले गया था।

कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और सरकारी स्टेटस रिपोर्ट देखने के बाद पाया कि जांच अधिकारी के अलवर में उस तांत्रिक के स्थान पर जाने की पूरी संभावना है। जस्टिस मुन्नुरी लक्ष्मण ने कहा कि किसी भी सूरत में मामले की जांच को किसी तांत्रिक के इशारे पर आधारित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जांच अधिकारी वहां गया था, इसलिए इस बात की आशंका है कि यह पूरी जांच तांत्रिक की राय से दूषित और प्रभावित हो चुकी है। कोर्ट ने कहा कि मामले में असल आरोपियों की पहचान के लिए तांत्रिक के प्रभाव से मुक्त होकर स्वतंत्र जांच होना जरूरी है। इन्हीं आधारों पर अदालत ने वर्तमान जांच अधिकारी को हटाने का अंतिम आदेश दिया है।

# 22 दिन से बिजली नहीं आने से परेशान ग्रामीण धरने पर बैठे

- निवाई उपखण्ड क्षैत्र की रानोली ग्राम पंचायत स्थित मोग्या ढाणी का मामला
- ग्रामीणों ने बिजली चालू नहीं होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी है

**टोंक,** (निसं)। निवाई उपखण्ड क्षैत्र की रानोली ग्राम पंचायत स्थित मोग्या ढाणी में 22 दिन से बिजली बंद होने के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने रानोली उपतहसील कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों ने बताया कि 29 अप्रैल को आई आंधी से ट्रांसफार्मर पोल समेत उखड़ गया था, जिसके बाद ढ ाणी में बिजली बन्द हो गई थी, जिसे लेकर शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद सभी ग्रामीण उप तहसील ऑफिस पहुंचे और धरने पर बैठ गए। ग्रामीणों ने बिजली चालू नहीं होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी है। ग्रामीणों ने कई बार पीपलू बिजली निगम कार्यालय में प्रार्थना पत्र दिए, टोल फ्री हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई तथा अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से भी गुहार लगाई, लेकिन अब तक बिजली बहाल नहीं हो सकी। करीब तीन महीने पहले ही ढाणी में बड़ी मुश्किल से बिजली कनेक्शन हुए थे, बिजली आने से लोगों में खुशी थी, लेकिन आंधी में ट्रांसफार्मर गिरने से फिर अंधेरा छा गया। कई बार शिकायतों के बावजूद बिजली निगम ने समस्या का समाधान नहीं किया। जिसके बाद ग्रामीणों सोमवार को भी वे उपतहसील कार्यालय पहुंचे थे। उस दौरान नायब तहसीलदार राजेश चौधरी ने बिजली निगम के अधिकारियों से बात कर उसी दिन बिजली चालू कराने का आश्वासन दिया था। आश्वासन के बाद ग्रामीण वापस लौट गए, लेकिन चार दिन बाद भी बिजली बहाल नहीं हुई।

# अजमेर के सूने मकान में चोरी

**अजमेर,** (निसं)। शहर के क्लॉक टावर थाना क्षेत्र स्थित तोपदड़ा इलाके में माथुर के भट्टे के पास स्थित एक मकान में अज्ञात चोरों ने अलसुबह चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोर मकान से सोने-चांदी के जेवरात, करीब 40 हजार रुपये की नकदी तथा अन्य कीमती सामान चोरी कर फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार चोर देर रात या अलसुबह मकान में घुसे और घर में रखी अलमारी तथा अन्य सामान को खंगालकर जेवरात और नकदी चोरी कर ले गए। सुबह परिवार के लोगों को घटना की जानकारी मिलने पर हड़कंप मच गया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पहुंची पुलिस ने एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया, जहां टीम नें घटनास्थल से साक्ष्य जुटाये हैं। सूचना मिलने पर क्लॉक टावर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका मुआयना किया। पुलिस ने घर और आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि आरोपियों का सुराग लगाया जा सके। पुलिस के अनुसार पीड़ित की रिपोर्ट के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में आग लगी, परिवार के 15 लोग झुलसे

## घर के अंदर और बाहर बैठे बच्चे और बुजुर्ग आग की लपटों में घिर गए

- थानागाजी (टहला) क्षेत्र के दाता खोदरी (खोहरीबा) गांव में बंजारा परिवार कच्चे कमरे और पास ही बनी झोपड़ी में हादसा हुआ
- सिलेंडर से गैस का तेजी से रिसाव शुरू हो गया, जैसे ही गैस जलाने के लिए माचिस की तीली जलाई तो आग लग गई

**अलवर,** (निसं)। अलवर जिले के थानागाजी (टहला) क्षेत्र के दाता खोदरी (खोहरीबा) गांव में गुरुवार सुबह एक हादसा हो गया। यहां एक कच्चे घर में खाना बनाते समय अचानक गैस सिलेंडर लीक होने के बाद आग लग गई। इस भीषण आग में एक ही परिवार के 15 से अधिक लोग बुरी तरह झुलस गए।

जानकारी के अनुसार थानागाजी (टहला) क्षेत्र के दाता खोदरी (खोहरीबा) गांव में यह दर्दनाक हादसा गुरुवार सुबह करीब दस बजे राधेश्याम बंजारा के घर पर हुआ। रोज़ाना की तरह सुबह बंजारा परिवार के लोग घर के कच्चे कमरे और पास ही बनी झोपड़ी में मौजूद थे। परिवार की महिलाएं रसोई में खाना बनाने के लिए अंदर थी, जबकि कुछ लोग पास में ही बैठकर खाना खाने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान अचानक गैस सिलेंडर से गैस का तेजी से रिसाव (लीक) शुरू हो गया। जैसे ही गैस जलाने के लिए माचिस की तीली जलाई तो आग लग गई। जब तक कोई कुछ समझ पाता, तब तक गैस ने आग पकड़ ली। देखते ही देखते कुछ ही सेकंड में आग पास की झोपड़ी में फैल गई। आग लगाने की आवाज सुनकर पूरे गांव में हड़कंप मच गया। घर के अंदर और बाहर बैठे मासूम बच्चे और बुजुर्ग आग की लपटों में घिर गए। चारों तरफ चीख-पुकार मच गई। गांव वाले तुरंत मौके की तरफ दौड़े और मिट्टी-पानी डालकर आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की। ग्रामीणों ने मुस्तैदी दिखाते हुए आग में फंसे लोगों को बाहर निकाला। हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए और टहला थाना पुलिस को भी सूचित किया गया।

# गंगनहर में मरी हुई मुर्गियां आईं, पानी दूषित हुआ

**श्रीगंगानगर,** (निसं)। गर्मी में पेयजल संकट से जूझ रहे जिले में प्रशासन स्वच्छ पानी मुहैया कराने के बड़े-बड़े दावे कर रहा है, लेकिन नहर में मुर्गियां बहती नजर आईं। सुबह से शाम तक यह सिलसिला जारी रहा। किसानों का कहना है कि इससे पानी पूरी तरह दूषित हो चुका है। ऐसा पानी पीने लायक भी नहीं रह गया है। कुछ किसानों ने जब नहर में मृत मुर्गियां देखीं तो आस-पास के किसान मौके पर जमा हो गए। किसान नेता अमर सिंह बिश्नोई ने तुरंत एडीएम को सूचना दी, लेकिन सूचना मिलने के बावजूद कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा।

किसान नेता अमर सिंह बिश्नोई ने बताया कि साधुवाली से खक्खा हैड तक इस पूरे क्षेत्र में कोई पोल्ट्री फार्म नहीं है। साफ है कि ये मरी हुई मुर्गियां पंजाब के किसी पोल्ट्री फार्म से नहर में फेंकी गई हैं। पंजाब में भारी संख्या में मुर्गियों की मौत के बाद फार्म संचालक ने उन्हें बोरियों में भरकर गंगनहर में फेंक दिया। मुर्गियां कालूवाला हैड से गुजरकर आगे बढ़ गई। किसानों का कहना है कि जिस तादाद में मुर्गियां पानी में बहकर आई हैं।

बांसवाड़ा-डूंगरपुर यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सड़क पर आम खरीदे और आमजन के साथ इनका स्वाद लिया तो नजारा ही बदला हुआ नजर आया। मुख्यमंत्री के हाथों से आम पाकर हर कोई खास हो गया। बच्चों के चेहरों पर छायी मुस्कानों ने मानों मुख्यमंत्री की सादगी और अपनत्व का मिठास ही अलग घोल दिया। गौरतलब है कि वागड़ क्षेत्र के आम प्राचीनकाल से देश और दुनिया में अपने स्वाद की धाक जमाते आये हैं।

# उदयपुर में जमीन के विवाद में भाइयों में झगड़ा, छह लोग घायल

- घायलों का प्राथमिक उपचार के बाद कुछ घायलों को उदयपुर रेफर किया

**उदयपुर,** (कासं)। उदयपुर में जमीन विवाद को लेकर भाइयों ने एक दूसरे पर लाठी और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इस हमले में छह लोग घायल हो गए, जबकि झगड़े में बीच-बचाव करने आया एक पड़ोसी भी गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार घटना झाड़ोल थाना क्षेत्र के गोराणा गांव के गोडवा फला की है। गुरुवार सुबह खेत में मेड़ बनाने को लेकर विवाद शुरू हुआ। पहले कहासुनी हुई, फिर कहासुनी ने गंभीर रूप ले लिया। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर हमला कर दिया। पड़ोसी भी गंभीर रूप से घायल हो गया। पहले कहासुनी हुई, फिर कहासुनी ने गंभीर रूप ले लिया। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर हमला कर दिया। सूचना पर झाड़ोल पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को पुलिस जीप और निजी वाहनों से झाड़ोल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद घायल मोहनलाल, हीरालाल, टीपू बाई और गोपी बाई को उदयपुर रेफर कर दिया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

थानाधिकारी फेलीराम ने बताया कि ज़मीनी विवाद को लेकर दो भाइयों और उनके परिवार में आपस में मारपीट हुई है। घायलों का इलाज जारी है। लिखित रिपोर्ट मिलने पर कानूनी कार्रवाई शुरू की।

जानकारी के अनुसार, बड़े भाई भंवर लाल पिता केशुलाल तेली का छोटे भाई मोहनलाल पिता केशुलाल तेली के बीच खेत को लेकर कई सालों से विवाद चल रहा है। कुछ दिन पहले भी इनके बीच झगड़ा हुआ था। तब भी मामला झाड़ोल थाने तक पहुंचा था।पुलिस ने दोनों को समझाइश कर मामला शांत कराया था। आज सुबह खेत पर मेड़ बनाते समय दोनों भाइयों में कहासुनी हो गई। बात बढ़ी तो दोनों में मारपीट शुरू हो गई। दोनों भाइयों का परिवार भी मौके पर पहुंचा और दोनों परिवारों के बीच लठ्ठ और कुल्हाड़ी से हमले हुए। घटना में भंवरलाल (65), उसकी पत्नी टीपू बाई (61), बेटा हीरालाल (30) घायल हो गए। वहीं, दूसरे परिवार में भाई मोहनलाल (63) और उसकी पत्नी गोपी बाई (60) घायल हो गए। वहीं, बीच बचाव करने आया पड़ोसी नरेश पिता केशुलाल कसौटियां (22) निवासी चांगला भी घायल हो गया। सूचना पर झाड़ोल पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाया।

# दस्तावेज सत्यापन 25 और 26 मई को

**अजमेर,** (निसं)। रेलवे भर्ती बोर्ड अजमेर ने एनटीपीसी स्नातक भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत दस्तावेज सत्यापन एवं चिकित्सकीय जांच का कार्यक्रम जारी कर दिया है। बोर्ड द्वारा 25 और 26 मई को कुल 102 अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया गया है। दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया नेहरू मार्ग स्थित अंबेडकर सर्किल के पास रेलवे भर्ती बोर्ड कार्यालय में आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थियों को निर्धारित समय पर सभी मूल दस्तावेजों एवं उनकी दो-दो प्रतियों के साथ उपस्थित होना होगा। कार्यक्रम के अनुसार 25 मई को सुबह 9 बजे से 43 अभ्यर्थियों का एक चरण में दस्तावेज सत्यापन किया जाएगा। वहीं 26 मई को सुबह 9 बजे से 59 अभ्यर्थियों का सत्यापन दो चरणों में संपन्न होगा। बोर्ड के अनुसार दस्तावेज सत्यापन के बाद अभ्यर्थियों की चिकित्सकीय जांच अगले दिन रेलवे अस्पतालों में कराई जाएगी।

# खेतड़ी तहसील कार्यालय के सामने पुराने पेड़ों की कटाई से आक्रोश

- ग्रामीणों का कहना है कि इन पेड़ों से वर्षों से लोगों को छाया और पर्यावरणीय संतुलन का लाभ मिल रहा था, लेकिन बिना किसी ठोस कारण के इन्हें काट दिया गया

**खेतड़ी,** (निसं)। खेतड़ी तहसील कार्यालय के सामने वर्षों पुराने पेड़ों की कटाई किए जाने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला। पेड़ काटने की सूचना पर गुरूवार को काफी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए तथा धरना देकर विरोध जताया। जानकारी के अनुसार क्षेत्र में आधा दर्जन से अधिक पुराने छायादार पेड़ों को काट दिया गया, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी फैल गई। ग्रामीणों का कहना है कि इन पेड़ों से वर्षों से लोगों को छाया और पर्यावरणीय संतुलन का लाभ मिल रहा था, लेकिन बिना किसी ठोस कारण के इन्हें काट दिया गया।

घटना के विरोध में ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने तहसील कार्यालय के बाहर धरना देकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पेड़ काटने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। ग्रामीणों ने कहा कि लगातार बढ़ते तापमान और पर्यावरण संकट के दौर में पेड़ों की कटाई बेहद चिंताजनक है। इससे क्षेत्र के पर्यावरण को नुकसान पहुंचने के साथ-साथ आमजन को भी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। पर्यावरण प्रेमी गोपाल कृष्ण ने बताया कि वह पिछले काफी समय से सरकारी संस्थाओं में पेड़ लगाकर उनका पालन-पोषण करते हैं तथा कुछ लोग अपने निजी फायदे के लिए पेड़ों की कटाई कर रहे हैं, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। धरने के दौरान लोगों ने प्रशासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही कटे हुए पेड़ों के स्थान पर नए पौधे लगाने और हरियाली बचाने के लिए ठोस कदम उठाने की भी मांग की गई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

घटना की सूचना पर तहसीलदार सुनील कुमार मील, पीडब्ल्यूडी एक्सईएन प्रणव कुमार मौके पर पहुंचे तथा मामले की जानकारी जुटाकर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर गोपाल कृष्ण, पारस वर्मा, डॉ. रामकुमार सिराधना, डॉ. राघवेंद्र पाल, पवन कुमार, दिनेश कुमार, बलवीर सैनी, मोहनलाल कुमावत, पवन शर्मा, मंजीत जलंद्रा सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

# बाडमेर के गिरल लिग्नाइट माइंस पर श्रमिकों और ग्रामीणों का धरना जारी

**बाडमेर,** (कासं)। जिले के गिरल लिग्नाइट माइंस में स्थानीय श्रमिकों, ड्राइवरों और ग्रामीणों का आंदोलन अब लगातार 40 दिनों से अधिक समय से जारी है। वहीं शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी का धरना भी 17वें दिन में प्रवेश कर चुका है।

भीषण गर्मी, कठिन परिस्थितियों और लगातार जारी संघर्ष के बावजूद विधायक भाटी लगातार धरनास्थल पर डटे हुए हैं और श्रमिकों के साथ मिलकर आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। धरनास्थल पर लगातार बढ़ती भीड़ और प्रदेशभर से मिल रहे समर्थन के बीच अब यह आंदोलन केवल मजदूरों की मांगों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि स्थानीय अधिकारों, रोजगार सुरक्षा, श्रमिक सम्मान और प्रशासनिक जवाबदेही का बड़ा जनआंदोलन बनता जा रहा है। धरनास्थल को संबोधित करते हुए शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी ने कहा कि जब तक श्रमिकों और ग्रामीणों की वाजिब मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक वे आंदोलनकारियों के बीच ही डटे रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल मजदूरों की नौकरी की नहीं, बल्कि उनके सम्मान, अधिकार और भविष्य की लड़ाई है। पिछले 40 दिनों से मजदूर शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को लेकर बैठे हैं, लेकिन अब तक उन्हें न्याय नहीं मिला। जब तक इन लोगों की मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक मैं भी धरनास्थल नहीं छोड़ूंगा। भाटी ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में मजदूरों और स्थानीय लोगों की आवाज को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी ने धरनास्थल से ही जनसुनवाई शुरू की।

उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय से क्षेत्र के श्रमिकों की समस्याओं को दबाया गया और उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया गया। गिरल आंदोलन के बीच शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी ने अब धरनास्थल पर ही जनसुनवाई शुरू कर दी है।

गुरुवार को बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोग अपनी विभिन्न समस्याओं और मामलों को लेकर धरनास्थल पहुंचे, जहां विधायक भाटी ने आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात कर समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, जनता ने मुझे केवल विधानसभा में बैठने के लिए नहीं चुना, बल्कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए चुना है। मैं धरनास्थल पर हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि क्षेत्र की बाकी समस्याओं को नजरअंदाज किया जाएगा। मैं यहां रहते हुए भी अपने विधायक होने के सभी दायित्व पूरे करूंगा।

# हादसे में बाइक सवार युवक मौत

**झुंझुनूं,** (निसं)। झुंझुनूं-सोनासर मार्ग पर गुरुवार दोपहर हुए एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को गमगीन कर दिया। इशरपुरा के पास तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान सोनासर निवासी 24 वर्षीय मनोज सोनी पुत्र लालचंद सोनी के रूप में हुई है। हादसे के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल की मॉर्च्यूरी में रखवाया। जानकारी के अनुसार गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे मनोज अपने माता-पिता और भाई के साथ किसी काम से झुंझुनूं आने वाला था। परिवार के चार सदस्य एक ही मोटरसाइकिल पर सुरक्षित सफर नहीं कर सकते थे। ऐसे में मनोज ने जिम्मेदारी निभाते हुए माता-पिता और भाई को बस में बैठाकर रवाना किया और खुद पीछे से बाइक लेकर झुंझुनूं के लिए निकल पड़ा। जैसे ही मनोज इशरपुरा के पास पहुंचा, सामने से तेज गति में आ रही बोलेरो ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मनोज ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अस्पताल पहुंचाया गया। बताया जा रहा है कि मनोज अविवाहित था।

# अजमेर के रात्या गांव में जमीन विवाद को लेकर खूनी संघर्ष

## कैम्पर गाड़ियों में आए 50-60 बदमाशों ने तलवार और लाठियों से हमला किया, कई लोग घायल

**अजमेर,** (निसं)। अजमेर जिले के सावर थाना क्षेत्र के रात्या गांव में गुरुवार सुबह जमीनी विवाद को लेकर खूनी संघर्ष हो गया। खेत पर तारबंदी के दौरान दो पक्ष आमने-सामने आ गए, जिसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

जानकारी के अनुसार एक पक्ष खेत पर तारबंदी का कार्य कर रहा था। इसी दौरान कैम्पर गाड़ियों में सवार होकर पहुंचे करीब 50 से 60 लोगों ने अचानक हमला बोल दिया। हमलावरों के हाथों में तलवारें, लाठियां और धारदार हथियार थे। हमले में कई लोगों के घायल होने की सूचना है। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने किसी तरह जान बचाकर मौके से भागकर स्वयं को सुरक्षित किया। सूचना मिलने पर सावर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है तथा हमलावरों की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है।

हमले में हुये घायलों का अस्पताल में उपचार कराया गया।